अव्यय

(1)डॉ.वासुदेवनंदन प्रसाद-**अव्यय ऐसे शब्द को कहते हैं जिसके रुप में लिंग,वचन,पुरुष,कारक इत्यादि के कारण विकार उत्पन्न नहीं होता।**

(2)डॉ.उमेशचन्द्र शुक्ल-**जिन शब्दों के रुप नहीं बदलते वे अव्यय कहलाते हैं।** जैसे-सुन्दर

प्रकार-(1)क्रिया-विशषेण (2)संबंधसूचक (3)समुच्चयबोधक (4)विस्मयादिबोधक

(1)क्रिया-विशेषण **जो अविकारी शब्द क्रिया की विशेषण बताये,उसे क्रिया विशेषण कहते हैं।**

जैसे- मैं **परसों** जाऊँगा।

उसे **शीघ्र** लौटना हैगा।

लड़का **तेज** दौड़ा।

- अर्थ की दृष्टि से क्रिया-विशेषण के भेद-

(अ)स्थानवाचक-अन्दर अँधेरा है।

(ब)कालवाचक- आजकल आप कहाँ रहते हैं।

(क)रीतिवाचक- उस दिन मेहमान अचानक पहुँचे।(अर्थात कैसे का उत्तर)उपभेदों में-

प्रकारबोधक -गाड़ी धीरे चलती है।

(ऐसे,जैसे,धीरे,एकाएक,फटाफट,सहसा, झट से आदि।)

निश्चयबोधक -वह अवश्य उत्तीर्ण होगा।

अनिश्चय-बोधक-संभवत वह उत्तीर्ण होगा।

कारणबोधक-मैं बीमार हूँ,इसलिए...।

(ड)परिणामवाचक-उसने बहुत पानी पिया।(कितना का उत्तर)

अति,अत्यन्त,थोड़ा, कुछ, कम, अतिशय,इतना,उतना,कितना जितना आदि।

प्रश्न-वाचक क्रियाविशेषण-

तुम कैसे जाओगे(कहाँ,कब,क्या,क्यों,किस प्रकार आदि।)

➢रचना की दृष्टि से क्रि.वि. के भेद-

(अ) मूल क्रिया-विशेषण-किसी दूसरे शब्दों से नहीं बने होते
जैसे-आगे,फिर,ठीक,पास आदि।

(ब)यौगिक क्रिया विशेषण- दूसरे शब्दों की सहायता से बनते हैं,यौगिक क्रिया कहलाते हैं।
जैसे-रात भर,सबेरे तक(प्रत्यय या शब्दांश)
नगर-नगर,कदम-कदम (शब्दों की द्विरुक्ति से)
रात-दिन,घर-बाहर(भिन्न-भिन्न शब्दों से)

(2)संबंध-सूचक- जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम का संबंध वाक्य की क्रिया या अन्य शब्द के साथ जोड़ता है, उसे संबंध-सूचक शब्द कहते हैं।
जैसे-दीवाली **के पहले** मेरे घर की सफाई हो जायेगी।

➢ रचना की दृष्टि से सं.सू के भेद-

(अ) मूल संबंध सूचक-किसी दूसरे शब्दों से नहीं बने होते जैसे-तक,के बिना, भर आदि।

(ब)यौगिक संबंध सूचक- दूसरे शब्दों की सहायता से बनते हैं,यौगिक क्रिया कहलाते हैं।

जैसे-के नाम,के लिए,से दूर आदि।

- अर्थ की दृष्टि से सं.सू के भेद-

1.काल-वाचक- पश्चात्, उपरांत,पीछे आदि।

2.स्थान-वाचक- नज़दीक,दूर,पास आदि।

3.दिशा-वाचक- ओर,आसपास,की तरफ आदि।

4.साधन-वाचक- के द्‌वारा,जरिये आदि।

5.विरोध-वाचक- खिलाफ,विरूद्ध आदि।

6.तुलना-वाचक- अपेक्षा, के आगे,आदि।

7.हेतु-वाचक- वास्ते, लिए, आदि।

8.संग्रह-वाचक- भर,पर्यन्त,तक, समेत आदि।

(3)समुच्चय बोधक-जो शब्द वाक्यों या वाक्यांशों को जोड़ने के लिए प्रयुक्त होता है, उसे समुच्चय-बोधक कहते हैं।

जैसे-राम **और** श्याम दोनों भाई हैं।

- रचना की दृष्टि से स.बो. के भेद-

(अ) मूल समुच्चय-बोधक-विशेषण-किसी दूसरे शब्दों से नहीं बने होते। जैसे-और,एवं कि, यदि आदि।

(ब)यौगिक समुच्चय-बोधक-दूसरे शब्दों की सहायता से बनते हैं,यौगिक क्रिया कहलाते हैं।जैसे-यदि-तो,क्योंकि आदि।

- प्रयोग की दृष्टि से स.बो. के भेद- दो जैसे-

1.समानाधिकरण स. बो. 2.व्यधिकरण स.बो.

- समानाधिकरण स. बो.-जो समुच्चय-बोधक समान स्थिति वाले दो उपवाक्यों को जोड़ता है, उसे समानाधिकरण स. बो. अव्यय कहते हैं।जिसके चार उपप्रकार हैं-

(अ)संयोजक (ब) विभाजक (क) विरोध-दर्शक(ड)परिमाण-दर्शक

(अ)संयोजक-दो या दो से अधिक बातों को जोड़ता है ,उसे..

जैसे-और, एवं आदि।

राम और रावण की लड़ाई हुई।

विभाजक-दो बातों में एक का स्वीकार अथवा दोषों का निषेध होता है,उसे..जैसे-या, अथवा,वा आदि।

उदा. राम या श्याम में से कोई प्रथम आएगा।

विरोध-दर्शक-दो बातों में विरोध प्रकट होता है,उसे...जैसे-परन्तु किंतु, लेकिन,मगर, वरन्,बल्कि आदि।

उदा. रस्सी जल गई मगर ऐठन न गई।

परिणाम-दर्शक-इनसे परिणाम सूचित किया जाए,एसे...जैसे-अतः,अतएव,इस कारण,इसीलिए,सो आदि।

2. व्यधिकरण स. बो.-जो समुच्चय बोधक आश्रित उपवाक्यों को मुख्य वाक्य के साथ जोड़ता है,उसे व्यधिकरण स. बो. कहते हैं।

उदा.आज पानी बरसेगा इसलिए छाता ले जा रहा है।

व्यधिकरण स. बो. के उपभेद-

(1)कारण वाचक(2)उद्देश्य वाचक(3)संकेत वाचक(4)स्वरूप वाचक

(1)कारण वाचक-पहले वाक्य के अर्थ का कारण दूसरे वाक्यों के अर्थ से दिखाया जाता है,उसे..जैसे क्योंकि,इसलिए आदि।
उदा.छात्र आज उदास है, क्योंकि उसकी पुस्तक खो गई।

(2)उद्देश्य वाचक-एक उपवाक्य का फल या उद्देश्य को दूसरे उपवाक्य से जाना जाय,उसे...इसलिए,ताकि,जिससे आ
उदा.मैं बहुत पढ़ रहा हूँ ताकि प्रथम श्रेणी प्राप्त कर सकूँ।

(3)संकेत वाचक-इसके द्वारा जुड़े हुए वाक्यों में एक का संकेत दूसरे में प्रकट किया जाए,उसे...जैसे-यदि-तो,जो-तो आदि।
उदा.यदि वो आता तो कितनी रोनक आ जाती।

(4)स्वरूप वाचक-पहले का अर्थ जब दूसरे वाक्य में देखा जाए, तब.....जैसे-अर्थात्,मानो आदि।
वह जड़ अर्थात् मूर्ख है।

(4)विस्मयादि-बोधक-जो शब्द कोई तीव्र भाव या मनोविकार व्यक्त करता है और वाक्य के किसी दूसरे शब्द से कोई संबंध नहीं रखता,उसे......जैसे-

क्यों फिर आ गये।

काश! मैं भी काश्मीर गया होता।

विस्मयादि-बोधक के प्रमुख उपभेद-

1.विस्मय-बोधक- वाह! ओहो! वाह! वाह!

2.हर्ष-बोधक- आहा! धन्य! शाबाश!

3.शोक-बोधक-हाय! हा- हा! हाय-हाय!

4.तिरस्कार-बोधक-छिः! अरे! धिक! चुप!

5.क्रोध-सूचक-चुप! हट! अबे!

6.स्वीकार-बोधक-ठीक! जी हाँ! अच्छा!

7.सम्बोधनद्योतक- अजी! अरे! अहो!